

DPN 6710

Title : मन्त्र कोश / (MANTRAKOŚA)

Run. No. 7436

Cat. No. D649 (II-376)

Micro. No.

Subject *Tantra*

Religion : Hindu / Bauddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt.-New. / Maith.-New. / New.-Nep. /

Size in cms. 20.5 x 7.5

Folios 21

Lines (in a page) 6 irregular

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

धर्मरत्न वज्राचार्य

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Script : New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. : Mantra monogram

Material : palmleaf / paper / thyasaphu / one side yellow

Together with kūṭakṣara

Condition : fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

आत्मा ॥ फलं ॥ दशा ॥ वष ॥ वृत् ॥ काल ॥ स्वर ॥ अचल ॥ द्वार ॥ आशा ॥ — .



म.प्र. कोष

पुस्तक संस्थापक श्री महाशय

II-376

0 CMTS.

5

10

15

20

25

30

का १ॐ श्रीनिर्विघ्नमस्तु ॥ आत्मा ॥ फलं ॥ दशा ॥ वर्ष ॥ नूतन ॥ काल ॥ स्वर ॥ अवल ॥ द्वार ॥ आशा ॥ इन्द्रि
 अ आ इ ई उ ऊ म म ल लृ ए
 या ॥ राशि ॥ विश्व ॥ इन्द्र ॥ तिथि ॥ कला ॥ आशा ॥ चांडी ॥ चानुमसी ॥ वैधवी ॥ ऐन्दुवी ॥ सुमा ॥
 ऐ ओ औ अं अः अ आ इ ई उ ऊ
 अमता ॥ चन्द्रिका ॥ मोदिनी ॥ ज्योत्स्ना ॥ अति ॥ तारा ॥ असला ॥ अस्मया ॥ सौम्या ॥ कौमुदी ॥
 अ म ल लृ ए ऐ ओ औ अं अः

वी १

नावना ॥ वेदी ॥ प्रधान ॥ मुख ॥ चेतना ॥ विम्व ॥ प्रतिविम्व ॥ ॥ अज ॥ अक्षर ॥ अवयव ॥ धे
 आईउ आईउ आईउ ऐ अं अः आईउ ऐ अं अः क ख ग घ
 या ॥ नावा ॥ गम्या ॥ परा ॥ अपरा ॥ नित्या ॥ अक्षी ॥ स्थीरा ॥ युक्ता ॥ साक्षी ॥ चेतना ॥ निधि ॥ लया ॥ विन्या ॥ वन्ता ॥ परा
 ऊ व ह ज ऋ न ऌ ऒ ऒ ऒ ऒ ऒ ऒ ऒ ऒ ऒ ऒ
 वल्या ॥ मान्या ॥ क्षेप्या ॥ वरा ॥ अक्षरे ॥ पुण्या ॥ गणा ॥ दीप्ता ॥ कल्या ॥ भद्रा ॥ विधा ॥ हरा ॥ पीठा ॥ हान्ता ॥ लान्ता ॥ मखा
 न घ फ ब न य र ल न ष स ह ल क्ष कृत्वा
 तार ॥ १
 म

का वत॥नप॥मौन॥दीक्षा॥आश्रम॥त्रयी॥गुण॥दण्ड॥होम॥ताल॥माल्य॥माला॥शिखा॥
वस्त्रज टहड नषद पफव यरल शेष हल ममः स्वाहा फट्
जम्भ टण धन नम व स क्ष

ग्वी॥शेखर॥आयीड॥मौली॥किरीट॥मुकुट॥उत्तीष॥पाद॥अक्ष॥अधर॥शेषाध॥अंखल

निगड॥अनु॥पुष्टिदा॥वरदा॥मति॥मेधा॥क्रिया॥क्षमा॥मैत्री॥शुभ्रा॥दांता॥ २
अँ अँ ईँ ईँ उँ उँ मँ मँ लँ

विमर्दिनी॥धारा॥बाणी॥तार॥श्रुति॥पज्ञा॥मण्डल॥गगन॥एधिबी॥आय॥शिखा॥
लँ लँ लँ ओँ ओँ अँ अः कँ खँ गँ

॥वायु॥आकाश॥रूप॥शब्द॥गन्ध॥रस॥स्पर्श॥वक्षु॥श्रोत्रा॥नाशिका॥जिह्वा॥
घँ उँ वँ ङँ जँ ञँ नँ टँ ठँ डँ ढँ

॥त्वक्॥नाग॥वृश्मी॥हकर॥देवदन्त॥धनंजय॥षाण॥अयाण॥समान॥उदान॥
णँ तँ थँ दँ धँ नँ पँ फँ बँ मँ

सेना॥२

ॐ

का व्याना॥धर्मा॥अर्थ॥कामा॥मोक्षा॥विना॥मना॥गति॥हेतु॥तर्का॥तत्वा॥माना॥व्याधि॥
मं यं रं लं वं शं षं सं हं लं क्षं कां र्वां
यशा॥भोगा॥वन्ध॥प्रना॥निशा॥पूष्पा॥हस्ता॥रुपा॥कान्ति॥दृष्टि॥विद्या॥सहा॥
गां घां चां वां जां ज्ञां दां णं शां हां लां
अनघा॥मालिनी॥मंजरी॥दीपा॥कंचिनी॥सारसी॥इक्षिता॥रोदिनी॥नन्दिनी॥
तां थां द्वां धां नां पां फां बां मां

वी ३

नम्रा॥विवर्णा॥पाटला॥मृदु॥क्षेयिका॥दंशिका॥तीर्णा॥तर्पिता॥शेषिणी॥
मां यां रां लां वां शां षां सां हां
घटी॥बलाका॥अग्नि॥चानु॥वायु॥नन्दन॥मारुत॥विमान॥नाव॥संतान॥
लां द्वां किं खिं मिं धिं डिं विं छिं जिं
अनंत॥दिक्॥भूमल॥वामना॥मेघा॥मदन॥रोहित॥मानस॥कुमुद॥अंग॥
किं जिं टिं ठिं डिं टिं तिं धिं टिं

का धानाजीवनी॥तारका॥बुद्धा॥सिन्धु॥नौम॥तीव्र॥ग्रह॥ग्राह॥नियोजक॥
 धिं निं धिं फिं विं निं मिं धिं रिं लिं
 पराचि॥हंस॥प्रग्रह॥मध्य॥निशीथ॥अरुण॥पिंगल॥पर्व॥कुल्या॥उग्र॥
 धिं शिं धिं तिं हिं लिं क्षिं कीं खीं गीं वी
 नेरी॥वीर्य॥नग॥क्षपा॥चूबकू॥कर्पत॥पर्वतो॥वाग्मी॥संघट्ट॥हर्षण॥
 घीं डीं वीं क्षीं जीं जीं नीं टीं टीं

वादेव॥पचुर॥दुन्न॥आदेश॥कोभ॥कौशिक॥उल्लल॥डेवण॥क्षार॥पट्ट॥
 डीं टीं लीं तीं धीं दीं धीं तीं धीं फीं
 पाटल॥वृंहण॥नेत्र॥नीलाक्र॥निर्माण॥वेत्र॥जर्जर॥मर्मर॥निलीन॥की
 वीं नीं मीं धीं रीं लीं वीं शीं धीं सीं
 ला॥कंकार॥पारायण॥धरधर॥कुनु॥उत्पाता॥वराह॥रजनी॥सिंही॥शिव॥
 हीं लीं क्षीं कुं लुं गुं लुं कुं लुं

सम्मर्त्ता॥कुक्षि॥रक्षा॥काष्ठा॥प्रमोदा॥वैक॥कन्दली॥पवित्रा॥दीपा॥पद्मा॥
 बुं बुं बुं बुं उं उं उं उं एं उं
 नागा॥कोला॥सुधृष्टि॥पवला॥अयना॥सत्त्वा॥रजा॥तमा॥कलुषा॥पूतना॥
 पुं पुं पुं उं पुं पुं पुं पुं पुं पुं
 पेदी॥तुम्बुकी॥चुवना॥क्षेत्रज्ञा॥शाम्बरी॥वञ्ची॥समीक्षा॥उत्पत्ति॥संचया॥
 रुं रुं रुं पुं पुं पुं पुं रुं रुं रुं

वी

५

शक्ति॥प्रकृति॥मार्तण्डा॥हृदया॥आसन्नि॥भूति॥उलूकी॥मनिना॥भ्रान्ति॥मृक्षा॥
 कूं कूं कूं कूं इं कूं कूं जूं कूं कूं
 जाली॥संविदा॥वासा॥विभ्राटा॥बंधना॥सुचेता॥तरला॥भूवृता॥कुरुणी॥मण्डला॥
 इं इं इं इं एं कूं भूं इं इं कूं
 नृया॥कुन्तली॥त्रिपुटा॥वहता॥वला॥लाला॥भानुकी॥कर्ष्णिका॥संधिनी॥शिवरी॥
 कूं कूं इं कूं कूं कूं कूं कूं कूं

का समवर्ती॥नमिका॥दोग्धी॥धृष्टा॥वैणवी॥नेगमी॥पणिनी॥ज्झा॥मेना॥वैहायसा॥
 पूँ सूँ हूँ लूँ दूँ केँ रेँ मेँ घेँ डे
 श्रमिका॥डांकुति॥खेचरी॥खेला॥रात्री॥चण्डा॥रणा॥वृति॥घोरा॥सुहोत्री॥धिताका॥
 वेँ हेँ जेँ जेँ जेँ देँ ठेँ डेँ तेँ नेँ
 कुल्या॥काला॥विचिन्वि॥तोरा॥गहिता॥रायी॥विसा॥मर्मरा॥विष्टि॥कुभा॥वदेवी॥
 येँ देँ धेँ नेँ पेँ फेँ वेँ मेँ येँ रे

भवणा॥खलिनी॥गणिका॥दुम॥वारी॥चपेटा॥वाध॥ओजः॥पारी॥पूर॥नटी
 लेँ वेँ शेँ घेँ सेँ हेँ लेँ क्षेँ केँ रेँ मेँ
 वारी॥वल्लवी॥वन्धकी॥वरी॥वित्रिणी॥लोहिनी॥वेला॥वर्वरा॥वाजिनी॥रजि
 धेँ डेँ वेँ हेँ जेँ केँ जेँ देँ ठेँ डेँ
 ॥ददुरः॥शाकटा॥हाला॥तिल्व॥धम्याटा॥वीधी॥गौणी॥बुलाका॥वेतरणी॥जनिर्का॥
 ठेँ लोँ तैँ थैँ देँ धेँ नेँ पेँ फेँ वेँ

का ज्वालिनी॥जडा॥शवरी॥शाम्बरी॥क्षेप॥कराल॥रुठ॥वृत्ति॥नदी॥नान्दी॥पवो
 में में ये रें लें वें शें सें हैं लें
 हा॥आसुरी॥धन्या॥जीवा॥तीर॥भटा॥प्रमा॥परम॥पेशल॥वीटा॥हार॥हीरका॥
 क्षे कों लों तों चों डों वों हों जों जों जों वी
 वीटा॥आवा॥इरा॥भारती॥भृङ्गी॥कलिङ्ग॥पिक॥विङ्गुण॥तुषार॥तरणि॥त्राण॥
 ठें ठें डें ठें लें तें थें हें धों नों चों ७

पला॥पाला॥विला॥क्रथ॥रोप॥प्राप॥दृति॥इना॥ईहा॥कलंक॥केकि॥कारुल॥
 फों वों भों मों यों रों लों वों शों वों सों हों
 हवी॥दोला॥पाटल॥पुतना॥पृथु॥पुटा॥वराटी॥भेरुडा॥करिठका॥कोरया॥
 लों क्षों कों लों मों चों डों वों हों जों
 इधन॥भिक्षा॥भूरि॥भर॥आभीर॥वाहन॥वीर॥वीरुध॥वेश॥संवेश॥
 जों जों ठें ठें डें ठें लें तें थें हें

का वैधेय॥विराध॥विविधा॥अश्वः॥पलाल॥पाक॥पक्षति॥फुल्ल॥फल॥वियोनि॥
 वौं मों वों कों वों मों मों यों रों लों
 शठा॥शारी॥सही॥मेदः॥प्रवध्व॥भ्रमणा॥क्षुपा॥घाटी॥वृद्धा॥धुरी॥वृष्णा॥
 वों शों वों लों हों लों क्षों कः खः गः घः
 शम्पा॥वेडा॥भटी॥घटी॥रेरा॥विहृण्डा॥पूयणी॥नायली॥फेनिला॥दुमा॥
 डः वः छः जः ङः ञः टः ठः डः ढः

वी ६

फटी॥धांक्षी॥वटी॥वेश्या॥फणिता॥फुह्विता॥धुनी॥वोहिनी॥मधुरा॥मृदी
 णः तः थः दः धः नः पः फः वः ञः
 कारुङ्गी॥प्रक्रिया॥रुमी॥पियल्ला॥वासिता॥दन्ती॥कारणा॥करटा॥अङ्किता॥
 मः यः रः लः वः शः षः सः हः
 आशी॥उन्नी॥आघात॥प्रोथ॥माण्डीर॥सूना॥मानूर॥नन्दी॥सन्दायी॥रश्मी॥
 लः क्षः कौं कौं कौं कौं कौं कः कौं

का रेत्यापशुः॥वडु॥वरुणा॥दुरा॥धुरा॥अमरा॥हेमनी॥सोम॥दुर्नति॥सिद्धिनी॥
 ली लू लै लौ ग्ला ग्ली ग्लं ग्लौ ग्लौ धी धी
 मीना॥प्रतोली॥वारुवी॥तरि॥सारुऊ॥सुखदा॥त्रावी॥वीरुधा॥धुलिता॥अ
 धू धौ धौ वी खा खी खू खै खौ
 घनी॥भूदनी॥वियत॥रुयत॥विहरी॥चकोरी॥रुरिता॥नर्मरी॥आसुर॥वै
 खं खः था थौ थू थै थौ डा दा

रणी॥लोही॥विचक्षा॥कूवरी॥अर्द्धा॥वेश्मरी॥जाता॥नासिता॥सातसा॥पाशु॥
 डी डू डै डौ धा धी धू धै धौ धा
 अंशु॥इना॥रसा॥विधोरी॥वयुवा॥मुरा॥वरेची॥राऊनी॥नम्या॥धुऊनी॥
 या यू यै यौ का की कू कै कौ बा
 पर्यटी॥मला॥सुरथादेविका॥साधी॥पानर॥पलर॥प्रिया॥दक्षा॥जुहू॥
 जी गु गै गौ शा शी शू शै शौ जा

का

उल्ल २
हं स

चटी॥घोरी॥निवृत्ति॥वक्रुति॥रुला॥चर्च॥चर्चक॥चोरक्ष॥अपण॥नृरी॥का
ऊँ ऊँ ऊँ ऊँ ऊँ ऊँ ऊँ ऊँ ऊँ ऊँ
रा॥रुणी॥नुला॥ऊद॥शिरा॥घन॥सेधि॥सर्प॥नक्र॥रुंसा॥मरुवाका॥
हूँ हूँ हूँ हूँ हूँ हूँ हूँ हूँ हूँ हूँ
सखी॥पञ्चास्या॥सन्नद्ध॥कवन्ध॥त्रामि॥अदि॥कोसुं नी॥मालती॥मुक्ता॥
डाकिनी॥
रखे

वी
१०

सानन

॥कीटा॥
रखे

अपर्णा॥वाणघरी॥मगी॥नृता॥विहंगमी॥शिशिरा॥रोहिता॥सरटा॥वरटा॥पुषा॥
ऊँ ऊँ ऊँ ऊँ ऊँ ऊँ ऊँ ऊँ ऊँ ऊँ
ओषा॥गात्री॥दात्री॥धात्री॥पात्री॥मात्री॥त्वरिता॥स्तिमिरा॥स्तवा॥लुठिता॥पन्न
रखे ऊँ ऊँ ऊँ ऊँ ऊँ ऊँ ऊँ ऊँ ऊँ ऊँ
गी॥नगी॥वारिता॥वारिता॥स्निग्धा॥समीची॥ऊषिता॥आरुता॥रायिता॥शा
ऊँ ऊँ ऊँ ऊँ ऊँ ऊँ ऊँ ऊँ ऊँ ऊँ

का यिता॥सुप्ता॥निर्निक्त॥बोधित॥वाग्मी॥पाण्डुर॥पाण्डुर॥वेत्ता॥विन्ति॥निर्द्वेष॥
 जै० जौ० जौ० जौ० जौ० जौ० जौ० जौ० जौ० जौ०
 निर्धार॥धरण॥निर्विकार॥निराधार॥निरीह॥निरंजन॥निःसङ्ग॥विस्तृ
 जै० जौ० जौ० जौ० जौ० जौ० जौ० जौ० जौ० जौ०
 षा॥शङ्कु॥आनन्दी॥ताली॥पाली॥जुटी॥इडिता॥वेष्टनी॥पूसा॥राजनी॥
 ह्यौ० ह्यौ० ह्यौ० ह्यौ० ह्यौ० ह्यौ० जौ० जौ० जौ०

वी
११

इक्षारिता॥अगी॥जयिनी॥योजिनी॥खनी॥तरनी॥पाटिता॥वरुणी॥वी
 जौ० जौ० जौ० जौ० जौ० जौ० जौ० जौ० जौ० जौ०
 रणी॥रुणी॥खटिनी॥दुर्मदा॥त्रस्ता॥विरुस्ता॥संव्यस्ता॥समस्ता॥शस्ता॥
 ह्यौ० ह्यौ० ह्यौ० ह्यौ० ह्यौ० ह्यौ० ह्यौ० ह्यौ० ह्यौ० ह्यौ०

का मन्त्रिका॥दुर्गरी॥शेनी॥पतङ्गी॥शुक्लिनी॥वक्र॥दीर्घा॥वामना॥पिच
 स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री
 एताखञ्जा॥केकर॥वधिरा॥रजिता॥मुखली॥रण॥चपेटि॥मदुला॥ वी
 स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री १२

मध्यका॥चित्रिणी॥कर्पटा॥लरिता॥विधनिता॥वासिता॥आनन्दिनी॥जम्बुकी॥
 स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री
 फेरवी॥धृती॥उल्हास्या॥अरण्यगा॥शिवा॥फेरु॥फेल्कारी॥कीला॥कुन्तला॥निक्षुका॥
 स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री

का मोची॥तर्क॥त्रिपुट॥मकर॥कमठ॥शङ्कु॥शताङ्ग॥घर्घरा॥पलिकी॥जर
सूँ सूँ सूँ सूँ सूँ सूँ सूँ सूँ सूँ
ती॥वृद्धा॥जीर्णा॥वर्षायसी॥कलापि॥मधुमती॥महिता॥अहिता॥चलिका॥
सूँ सूँ सूँ सूँ सूँ सूँ सूँ सूँ

वी
१३

खेवरी॥ म्बवरी॥ क्रक्षा॥ किराटी॥ वरदा॥ वरिणी॥ कुलतो॥ काम्या॥ कलसी॥ का
ख्युं ख्युं ख्युं ख्युं ख्युं ख्युं ख्युं ख्युं
लसी॥ श्वेता॥ रक्ता॥ पीता॥ नीला॥ सवला॥ धूवा॥ धरोची॥ धमनी॥ धयनी॥
ख्युं ख्युं ख्युं ख्युं ख्युं ख्युं ख्युं ख्युं

का धारिणी॥ पुनः॥ पाविका॥ घुनी॥ विदारिका॥ हेमवती॥ मिहिका॥ वर्षुः
 ह्यौ ह्यौ ह्यौ ह्यौ ह्यौ ह्यौ ह्यौ ह्यौ
 की॥ उर्वी॥ वरुदी॥ गारुडी॥ वायी॥ विधुः॥ वारुली॥ तर्जु॥ अज॥ वीचि॥
 ह्यौ ह्यौ ह्यौ ह्यौ ह्यौ ह्यौ ह्यौ ह्यौ

वी
 १४

अवी
 मरीचि॥ वारीचि॥ परोचि॥ सामिची॥ बुलीनि॥ पेणिका॥ तार्की॥ चक्रेरी॥ मिचिका॥
 ह्यौ ह्यौ ह्यौ ह्यौ ह्यौ ह्यौ ह्यौ ह्यौ
 विरुजा॥ निरुजा॥ भण्डी॥ खण्डि॥ खण्डि॥ खर्जूर॥ खदिर॥ खुडु॥
 ह्यौ ह्यौ ह्यौ ह्यौ ह्यौ ह्यौ ह्यौ ह्यौ

का श्राहणिक॥परनाप॥विकार॥निकार॥पकार॥पकर॥अनुकार॥जाती॥
 ह्यो ह्यो ह्यो ह्यो ह्यो ह्यो ह्यो ह्यो
 गन्धफली॥कोन्दी॥वरुधी॥सिन्धुरी॥कनिना॥कुर्कुटी॥हीना॥पूतना॥
 ह्यो ह्यो ह्यो ह्यो ह्यो ह्यो ह्यो ह्यो

की
१५

पूतना॥वर्हिष्मती॥घेनुमती॥खर्वचा॥वनवन्दनी॥असंविन्ति॥पली॥उ
 ह्यो ह्यो ह्यो ह्यो ह्यो ह्यो ह्यो
 षरी॥वकुली॥विक्षेरी॥वैषरी॥पुरी॥नखरी॥अक्षरी॥वंधकी॥सिन्धुकी॥
 ह्यो ह्यो ह्यो ह्यो ह्यो ह्यो ह्यो ह्यो

पनी
अलि
अकुश

उर्दी
ह्यो

का बुकी॥ पूजकी॥ वर्तकी॥ ऋक्षकली॥ सूर्यकली॥ खरकली॥ गजकली॥
 ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं
 मुखकली॥ अरुणी॥ वारुणी॥ रुणी॥ तरुणी॥ तरुणी॥ निसर्ग॥ संसर्ग॥
 ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं

वी
१६

विसर्ग॥ उत्सर्ग॥ उपसर्ग॥ निधान॥ संधान॥ विधान॥ उद्धान॥ उपद्धान॥
 ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं
 पैरवी॥ नैरवी॥ रीवि॥ विरावि॥ सारवी॥ अवट॥ खर्यट॥ खोट॥ खलोट॥
 ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं

का

खुरट् ॥ रक्षिणी ॥ वंकिणी ॥ घृत्नी ॥ शंखिनी ॥ पुंखिनी ॥ इति वीजानि ॥

प्रथमकूट ॥ शास्त्रवा ॥ सद्योजात ॥ वामदेवा ॥ अधोर ॥ तत्पुरुषा ॥ ईशाना ॥

वी
१७

माहेश्वर ॥ पाशुपत ॥ शाङ्कर ॥ त्रैपुर ॥ भैरवा ॥ पराकूट ॥ चित्कूट ॥ ज्येष्ठकूट ॥

का परापर॥ लिङ्गकूट॥ रोडकूट॥ श्रीकाण्ठकूट॥ शक्तिकूट॥ तम सत्वकूट॥ रज दिग्गर्भ॥

ह्रीं
ह्रीं
ह्रीं
ह्रीं
ह्रीं
ह्रीं
ह्रीं

वी
१८

ज्याना पौस्करा॥ नासाकूट॥ रणा अनाक्षकूट॥ ताण्डवा॥ घाणा॥ फेरवा॥ निगमा॥ सुषुम्ना॥

ह्रीं
ह्रीं
ह्रीं
ह्रीं
ह्रीं
ह्रीं
ह्रीं

का शम्भाय॥वीर॥इडा॥कापिल॥कवन्ध॥विद्युत्॥नाग॥शांवर॥त्रैपुत्॥पद्मा॥

ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ

वी
१२

संहरकूट॥^{विदु}अनारुत॥^{मणि}मणिपूरक॥^{तत्त्व}स्वाध्विस्मानाशिखा॥^{निर्बीण}वृहचूट॥महागिर्बीण॥

ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ

A page from a handwritten manuscript featuring six staves of musical notation. Each staff is composed of five horizontal lines. The notation is written in a dark ink, likely on aged parchment or paper. The notes are represented by various symbols, including vertical strokes, horizontal lines, and some more complex, stylized characters. The notation is arranged in a single row across the page.

वी
२०

वाम ॥ ३ ॥ ॥ इ ॥ त्रिकालान ॥ ॥ ॥
 ॥ नमो ॥ ॥ ल ॥ स्थमंत्रकोष ॥ ॥ ॥

वी
२९

भारत का प्राचीन इतिहास

II-376

0 CMTS. 5 10 15 20 25